# HELP STUDENT INDIA

## मिशन

प्रत्येक विद्यार्थी में छिपी प्रतिभा को निखार के, उनकी सोच को ज्ञानवर्द्धक एवं दूरदर्शी तथा उनके चरित्र को समृद्ध बनाते हुए भारतीय विद्यार्थियों की मदद करना जो कि विशेष रुप से ग्रामीण, अर्द्धशहरी, वंचित तथा आर्थिक रुप से पिछड़े क्षेत्रों में रहते हैं।

## विज़न

विद्यार्थियों की प्रतिभाओं एवं क्षमताओं को खोज निकालना, कौशल उन्नयन एवं आधुनिकीकरण के लिए प्रशिक्षण देना, उन्हें समृद्ध बनाना जिससे वह भविष्य के दिशानिर्देशक बन सकें एवं भारत को फिर से विश्व का बौद्धिक शक्ति केन्द्र बना सकें।

# कार्यप्रणाली

काश ऐसा होता कि हम अपने देश के सभी बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा दे पाते। हमारे देश में अभी भी करोड़ो बच्चे आर्थिक अभाव के कारण या ग्राम एवं छोटे नगरो में अच्छे संस्थानों के अभाव के कारण उच्च स्तरीय शिक्षा से वंचित हैं।

इस कमी को दूर करने के लिए हेल्प स्टूडेंट इंडिया उ. प्र., छ.ग. एवं दिल्ली में विद्यार्थियों को कल्पनाशील, परिपक्व, वैचारिक रुप से स्वतंत्र, ऊर्जावान तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभिप्रेरित बनाने का कार्य कर रही है जिससे ये विद्यार्थी देश के भावी कर्णधार बन सके। यह सहायता हम निम्न तरीकों द्वारा प्रदान करते हैं:-

- एक जिला स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को चयनित कर उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ (एन.टी.एस.ई., इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा तथा अन्य) का निःशुल्क मार्गदर्शन संबंधित केन्द्र पर प्रदान करना।
- विभिन्न प्रकार के मोटिवेशनल सेमिनार एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति एकाग्र और प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओ हेतु निःशुल्क पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थियों में उत्सुकता तथा अभिनव विचारो के विकास को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर विकल्पो के लिए जागरुक तथा विभिन्न क्षेत्रों की विधिवत जानकारी उपलब्ध कराना।
- आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार से सहायता कर देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध संस्थानों तथा तकनीकि संस्थानों में प्रवेश का मार्गदर्शन प्रदान करना।

**विद्यार्थी हायर सेकेन्डरी तथा प्रतियागी शिक्षा के संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता देतु हेल्प स्टूडेण्ट इंडिया से ई-मेल, पत्र के माध्यम से सम्पर्क कर सकते है।**

# संस्थापक (हेल्प स्टूडेंट इंडिया)

प्रख्यात गणित शिक्षक तथा प्रेरक गुरु, जो 27 वर्ष के व्यापक अनुभव के साथ सफलता प्राप्ति की ओर छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हेल्प स्टूडेंट इंडिया की स्थापना उन गरीब तथा वंचित वर्गों के विद्यार्थियों की सहायता करने के उद्देश्य से की जिनके पास आगे बढ़ने एवं कुछ हासिल करने की अभिलाषा तो है, परंतु उचित संसाधनों का अभाव है । उन्होंने भारत के अनेक शहरों में **Success Mantra Seminar** तथा **Motivational Workshop** (प्रेरक कार्यशालाएँ) प्रस्तुत की हैं जिसके माध्यम से उन्होंने छात्रों का मनोबल बढ़ाया एवं वांछित क्षेत्र मे उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के लिए उन्हें मार्गदर्शित किया एवं एक सक्षम तथा विचारशील मार्गदर्शक के रूप में स्वयं को स्थापित किया है ।

**श्री अवनीश कुमार**

**जो है तुम्हारे पास; साहस विश्वास और निष्ठा।**

**तो जीत तुम्हारी होगी; वरना हार तो कब की तुम्हारे साथ है ॥**

**महत्वपूर्ण निर्देश**

**उपयुक्त पाठ्यक्रम की जानकारी वर्तमान समय अनुसार है और आने वाले समय में इसमें बदलाव संभव है ।**

# करियर विकल्प पुस्तिका

बहुत कुछ है करने को कई सारे बैचलर डिग्री है, डिप्लोमा है, कंप्यूटर कोर्स है और सरकारी नौकरियां है और सबसे अच्छी बात आप अपने स्ट्रीम के अलावा अन्य स्ट्रीम के भी कोर्स कर सकते है.

1. PCB में आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी पढ़ना होता है.
2. PCM में फिजिक्स और केमिस्ट्री के साथ मैथ्स पढ़ना होता है.
3. PCBM इसमें आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स चारों विषय पढ़ना होता है, यानी एक साथ चारों कठिन विषय पढ़ना मुश्किल तो है, पर इसके फायदे भी बहुत है. पीसीबीएम से **12वीं पास करने के बाद** आप PCB और PCM दोनों के बाद किए जाने वाले कोर्स कर सकते है. वैसे साइंस स्ट्रीम तो अपने आप में ही ऑलराउंडर है. क्योंकि साइंस से 12वीं करने के बाद भी आप आर्ट्स और कॉमर्स वालों का कोर्स कर सकते है.

### 12th Science PCB के बाद प्रमुख बैचलर डिग्री निम्नलिखित है:

- बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (MBBS)
- बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (BDS)
- बैचलर इन फार्मेसी
- बीएससी इन एग्रीकल्चर (B.Sc Agriculture)
- बीएससी इन नर्सिंग (B.Sc Nursing)
- बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BHMS)
- बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BAMS)
- बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (BUMS)
- बैचलर आफ फिजियोथैरेपी
- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी

मेडिकल से जुड़ा चाहे कोई भी बैचलर डिग्री हो उसमें आपको ज्यादा समय और पैसा लगता ही है. तो अगर आप कम पैसा खर्च करके जल्दी नौकरी पाना चाहते हैं, तो पैरामेडिकल कोर्स कर सकते हैं. चूंकि ये जॉब ओरिएंटेड कोर्स होते हैं, तो इसे करने के बाद नौकरी मिलने की संभावना` ज्यादा होती है.

# 12th Science PCB के बाद प्रमुख पैरामेडिकल कोर्स निम्नलिखित हैं:

## 1. बीएससी इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी

- बैचलर ऑफ साइंस इन ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी एक अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम है। इस कोर्स की अवधि 3 साल की होती है। ये विषय हेल्थ केयर सेक्टर से संबंधित है।
- ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी विषय की जानकारी छात्रों को एक पेशेवर के तौर पर तैयार करती है जिसमें थिएटर टेक्निशियन डॉक्टर, जूनियर डॉक्टर और नर्सों के मार्गदर्शन के लिए कार्य करते हैं। हेल्थ केयर सेक्टर में अपना करियर बनाने के लिए ये विषय एक अच्छा ऑप्शन है।
- बीएससी इन ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी कोर्स में छात्रों को **पैथोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल एथिक्स, एनसथिसिया, फिजियोलॉजी, एनाटॉमी** आदि जैसे कई विषयों की जानकारी दी जाती है। कोर्स पूरा कर छात्र एमएससी कर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

### प्रवेश परीक्षा

1. **जेईटी** ( Joint Entrance Test )
2. **एनपीएटी** ( National Test for Programs After Twelfth )
3. **बीएचयू यूईटी** ( Banaras Hindu University undergraduate Entrance Test )
4. **एसयूएटी** ( Sharda University Admission Test )
5. **सीयूईटी** ( Common University Entrance Test )

## 2. बीएससी इन एक्सरे

एक्स-रे, हेल्थकेयर इंडस्ट्री द्वारा उपयोग की जाने वाली सबसे आम टेक्निक्स में से एक है। हॉस्पिटल और नर्सिंग होम में लैब की सुविधाएं भी होती हैं। इन लैब में काम करने के लिए लैब एक्स-रे टेक्नीशियन की जरूरत होती है। इसके अलावा डायग्नोस्टिक सेंटर की आज के समय मे मांग बढ़ी है।

### एक्स-रे technician के लिए नीचे बैचलर्स प्रोग्राम की लिस्ट दी गई हैं:

- B.Sc.in Radiography
- B.Sc. in Radiography and Imaging Technology
- Bachelor of Radiography and Imaging Technology
- Bachelor of Diagnostic Radiography
- Bachelor in Radiology

## मास्टर्स इन एक्स-रे

X Ray technician course के लिए नीचे मास्टर्स प्रोग्राम की लिस्ट दी गई है:

- MSc Medical Radio Imaging
- MSc/PGDip/PGCert - Clinical Radiology
- Clinical Oncology (Part time) - MSc/PGDip
- MPhil in Medical Science (Radiology)

## 3. बीएससी इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी

- ➢ बीएससी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी 3 साल का एक अंडरग्रेजुएट पैरामेडिकल प्रोग्राम है, जिसे कुल छह सेमेस्टर में बांटा गया है।
- ➢ यह क्लिनिकल लैबोरेट्री टेस्ट्स की सहायता से विभिन्न प्रकार की बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं के डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट और प्रिवेंशन के बारे में प्रैक्टिकल और थ्योरेटिकल नॉलेज प्रदान करता है।

## 4. डिप्लोमा इन फिजियोथैरेपी

- ➢ डिप्लोमा इन फिजियोथैरेपी 2 साल की अवधि का प्रोग्राम है जो छात्र कक्षा 12वीं के बाद कर सकते हैं।
- ➢ छात्र के कक्षा 12वीं में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य है।
- ➢ इस कोर्स को केवल साइंस के छात्र कर सकते हैं। इस कोर्स में प्रवेश मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों के माध्यम से दिया जाता है।
- ➢ कोर्स में छात्र को **फिजियोलॉजी, फर्स्ट एड एंड नर्सिंग, फार्मोकोलॉजी, सोशलॉजी, इलेक्ट्रोथेरेपी, एक्सरसाइज थेरेपी और माइक्रोबायोलॉजी** जैसे कई विषयों के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है। कोर्स के बाद छात्रों के पास कई स्कोप होते हैं वह नौकरी के आवेदन कर सकते है इसी के साथ वह चाहें तो आगे उच्च शिक्षा के लिए आवेदन भी कर सकते हैं।

## एंट्रेंस टेस्ट

- ❖ आईपीयू सीईटी
- ❖ बीसीईसीई
- ❖ एलपीयूएनईएसटी
- ❖ सीपीएनईटी

## 5. डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी टेक्नोलॉजी

- रेडियोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स **2 साल** का कोर्स है जिसमें प्रवेश छात्र मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों के माध्यम से ले सकता है।
- रेडियोलॉजी मुख्य तौर पर एक पैरामेडिकल कोर्स है। इस कोर्स में छात्रों को रेडिएशन फिजिक्स, एक्स-रे: परिचय और गुण, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, इमेज प्रोसेसिंग तकनीक, डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी में एनेस्थेटिक्स आदि जैसे कई विषयों के बारे में विस्तार से पढ़ाया और सिखाया जाता है।
- डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी कोर्स पूरा करने के बाद छात्र सरकारी और प्राइवेट अस्पताल में काम कर साल का 3 से 8 लाख रुपये तक आराम से कमा सकते हैं किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से साइंस स्ट्रीम में कक्षा 12वीं पास छात्र कोर्स के लिए आवेदन कर सकता है।
- कक्षा 12वीं में साइंस स्ट्रीम के मुख्य विषयों के तौर पर फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्य पढ़ा होना आवश्यक है।
- कक्षा 12वीं में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त होना अनिवार्य है।

## 6. डिप्लोमा इन Medical Lab टेक्नोलॉजी

- DMLT Course चिकित्सा से संबंधित एक डिप्लोमा कोर्स है। जिसमें चिकित्सा की प्रयोगशाला से संबंधित टेक्नोलॉजी की शिक्षा प्रदान की जाती है।
- इस कोर्स की अवधि कुल 2.5 वर्ष की होती है। जिसमें से अंतिम 6 महीने इंटर्नशिप ट्रेनिंग के होते हैं।
- इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा प्रयोगशाला में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों का प्रयोग करना, डॉक्टर के द्वारा निर्देशित जांच करना, उपकरणों की सही संभाल करना आदि कार्य सीखता है।
- **जॉब प्रोफाइल -** लैब टेक्निशियन, लेबोरेट्री मैनेजर, हेल्थ एंड सेफ्टी ऑफिसर, सुपरवाइजर, कंसल्टेंट

# 12th Science PCM के बाद Kya Kare ?

ज्यादातर लोग समझते हैं कि इसके बाद **इंजीनियरिंग** ही एक अच्छा विकल्प है, पर ऐसा नहीं है इंजीनियरिंग के अलावा भी बहुत सारे करियर विकल्प मौजूद हैं. जिसमें आप जा सकते हैं.

## 12वीं विज्ञान पीसीएम के बाद प्रमुख बैचलर डिग्री निम्नलिखित है:

- बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (B. Tech)
- बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (B.E.)
- बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B. Arch)
- बैचलर ऑफ साइंस (B.Sc.)
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (BCA)
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)
- बैचलर ऑफ कॉमर्स (B.Com)
- बैचलर ऑफ आर्ट्स (B.A)
- बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (BHM)
- बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (BJMC)

### बीटेक और बीई में कई तरह के स्पेशलाइजेशन होते हैं. बीटेक के कुछ प्रमुख स्पेशलाइजेशन निम्नलिखित है:

- बीटेक इन सिविल इंजीनियरिंग
- बीटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- बीटेक इन एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग
- बीटेक इन केमिकल इंजीनियरिंग
- बीटेक इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी
- बीटेक इन फूड टेक्नोलॉजी
- बीटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन
- बीटेक इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी

अगर आप किसी अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेज या से बीटेक या बी आर्क करना चाहते हैं, तो आपको उसके लिए **जेईई मेन (JEE Main)** एग्जाम देना होगा. वहीं अगर आप आईआईटी (IIT) से ये कोर्स करना चाहते हैं तो आप जेईई मेन के बाद **जेईई एडवांस(JEE Advanced)** भी देना होगा.

# 12th Science PCM के बाद डिप्लोमा कोर्स

अगर आप 12 वीं साइंस पीसीएम के बाद कम पैसा खर्च करके कोई शॉर्ट टर्म कोर्स करना चाहते हैं, तो आप डिप्लोमा या पॉलिटेक्निक कर सकते हैं. इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने वाले को जूनियर इंजीनियर कहां जाता है.

## 12वीं साइंस पीसीएम के बाद प्रमुख डिप्लोमा कोर्स निम्नलिखित हैं:

### 1. डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग

- डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग कोर्स कंस्ट्रक्शन, डिजाइन और मेंटेनेंस के बारे में है। जहां कहीं भी कोई पुल, सड़क, बांध, एयरपोर्ट, पाइपलाइन, सीवरेज सिस्टम, बिल्डिंग आदि का निर्माण कार्य होगा वहां सिविल इंजीनियर यह सुनिश्चित करता है, कि काम डिजाइन और प्लान के अनुसार ही हो रहा है।
- पॉलिटेक्निक सिविल कोर्स के 3 साल के दौरान छात्रों को सिविल इंजीनियरिंग का वह सब ज्ञान दिया जाता है जिससे वह कंस्ट्रक्शन साइट पर प्लानिंग के अनुसार काम को करवा सकें।
- सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा कोर्स छात्र 10वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद ही कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 12वीं की पढ़ाई पूरी होने का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है।
- छात्र DRDO, ONGC, Indian Railway, Water Boards आदि कंपनियों में सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### 2. डिप्लोमा इन इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी

- आईटी या इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी जिसे हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी भी कहते हैं, में डिप्लोमा करना 10 वीं के बाद कंप्यूटर से संबंधित सबसे अच्छे पाठ्यक्रमों में से एक है, जो छात्रों को अत्यधिक बढ़ते कंप्यूटर और इंटरनेट क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने का अवसर देता है।
- डिप्लोमा इन इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी कोर्स 3 साल का दसवीं के बाद किया जाने वाला कोर्स है, इस कोर्स के दौरान छात्रों को कंप्यूटर और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी से जुड़े सब्जेक्ट पढ़ने होते हैं।
- यह कोर्स कंप्यूटर और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी से रिलेटेड टॉपिक को बेसिक से कवर करता है, तो अगर किसी स्टूडेंट ने दसवीं तक कंप्यूटर से रिलेटेड कोई पढ़ाई नहीं की है फिर भी वह स्टूडेंट इस कोर्स के लिए ज्वाइन कर सकता है, और उसे इस कोर्स को समझने में किसी तरह की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

### 3. डिप्लोमा इन केमिकल इंजीनियरिंग

- जो छात्र केमिकल इंजीनियरिंग कोर्स में डिप्लोमा प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उन्हें गणित, विज्ञान और अंग्रेजी में भी कम से कम 45% या उससे अधिक अंकों के साथ 10 वीं की बोर्ड परीक्षा पास करनी चाहिए।
- प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से उम्मीदवार की योग्यता पर आधारित है।

केमिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा नौकरी की तलाश करने वाले लोगों को दी जाने वाली कुछ शीर्ष नौकरियां हैं:

- प्लांट ऑपरेटर
- मार्केट एनालिस्ट
- प्रोसेस इंजीनियर
- एसोसिएटेड साइंटिस्ट
- फिल्ड ऑपरेटर

## 4. डिप्लोमा इन डाटा साइंस

- डाटा के प्रभाव का विश्लेषण करने वाले को डाटा साइंटिस्ट कहा जाता है. यह सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री का नया फील्ड है जिस वजह से इसमें विशेषज्ञों की काफी डिमांड है।
- अगर आप आईटी सेक्टर में जाने का प्रयास कर रहे हैं तो ये फील्ड आपको भविष्य में अच्छे मौके दे सकती है।

### क्या है योग्यता:

- डाटा साइंटिस्ट बनने के लिए आपके पास गणित, सांख्यिकी या इंजीनियरिंग ग्रेड से बैचलर होना चाहिए. तभी आप इस फील्ड में नौकरी के लिए योग्य माने जाएंगे.
- उपरोक्त विषय से स्नातक करने के बाद आप सर्टिफिकेट कोर्स करके आगे का करियर बना सकते हैं.
- कहीं कहीं कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री या एमसीए भी मांगते हैं।
- आपको स्टेटिस्टिक्स और प्रोबेबिलिटी का नॉलेज भी होना चाहिए.
- अगर आपकी प्रोग्रामिंग नॉलेज में पकड़ है तो आप बेहतर डाटा साइंटिस्ट बन सकते हैं.

## 5. डिप्लोमा इन मरीन इंजीनियरिंग

- मरीन इंजीनियर एक प्रकार का **मैकेनिकल इंजीनियर** होता है, जो जहाजों, नावों, पनडुब्बियों और अन्य जलयानों को डिजाइन करता है। वे समुद्री यात्रा और अन्य समुद्री गतिविधियों से संबंधित अन्य संरचनाएं, मशीनें और तकनीकी उपकरण भी बनाते हैं।
- मरीन इंजीनियर फ्लूइड मैकेनिक्स, हाइड्रोलिक्स और अन्य कॉन्सेप्ट्स की अपनी जटिल समझ के जरिए इच्छित उद्देश्यों के आधार पर टिकाऊ जल जहाजों की डिजाइनिंग और निर्माण का कार्य करते हैं।
- वे एक जहाज को उसके डेस्टीनेशन तक सफलतापूर्वक गाइड करने और पानी में बाधाओं को दूर करने के लिए विद्युत, स्टीयरिंग, जलवायु नियंत्रण, रडार और इंजन सिस्टम को मिलाते हैं।
- मरीन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्रग्राम कक्षा 12वीं के बाद ही किया जा सकता है। इस कोर्स की अवधि 1 से 3 साल होती है। आपको बता दें कि कोर्स की अवधि कोर्स ऑफर करने वाले संस्थान पर निर्भर करती है। इस विषय में डिप्लोमा प्रोग्राम पूरा कर उम्मीदवार नौकरी भी कर सकते हैं और संबंधित विषय में उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर सकते हैं।

### प्रवेश परीक्षा :

- आईएमयू-सीईटी **(Indian Maritime University Common Entrance Test)**
- बीआईटीएसएटी **(Birla Institute of Technology and Science Admission Test (BITSAT))**
- वीआईटीईईई **(Vellore Institute of Technology Engineering Entrance Examination (VITEEE)**

## 6. डिप्लोमा इन वेब डिजाइनिंग

- वेब डिज़ाइनर यह वो व्यक्ति होते है जो अपने computer Markup and programming language की skills से web page को develop करने का काम करते है।
- वेब डिज़ाइनिंग की क्षेत्र में कई तरह के डिप्लोमा कोर्स भी होती है जिस सभी कोर्स का अवधि 6 महीने से 2 साल तक की होती है। इन सभी course को करने के लिए किसी खास Qualification की जरूरत नही होती है। इसे 10th या 12th पास करने के बाद किसी भी stream के students कर सकते है। इन सभी **web designing diploma course** में आपको basic से web designing सिखाया जाता है।
- वेब डिज़ाइनिंग **certificate course list**

अगर आप web designing के क्षेत्र में अधिक चीजों को बारिके से सीखना चाहते है तो आपको **web designing certificate course** करना चाहिए। इस तरह के कोर्स में आपको कई तरह के ऐसे software पर work करवाने का Practice करवाया जाता है, जिससे आपको web designing की क्षेत्र में काफी सहायता मिलती है। इन सभी कोर्स का duration 1 साल से 3 साल तक की बीच में होती है।

- Certificate in web designing
- Certificate in web and Graphics designing
- Certificate in web designing and 2D Animation
- Certificate in web designing and internet technology
- Certificate in HTML, CSS and PHP
- Certificate in web development
- Certificate in web designing and digital marketing

## 7. डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग

- डिजिटल मार्केटिंग के कोर्सेज ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से किए जा सकते हैं।
- ऑनलाइन माध्यम में आप google के फ्री सर्टिफाइड कोर्स कर सकते हैं और ऑफलाइन माध्यम में आप कोर्स अपने शहर के किसी अच्छे इंस्टिट्यूट से कर सकते हैं।
- Google से आप घर बैठे ही मुफ्त में इस कोर्स को सीख सकते हैं। इसके लिए आपको इन दो वेबसाइटों पर जाना है-

i. Google Digital Unlocked
ii. Google Skill Shop

यह दोनों ही Google की वेबसाइट है जहां से आप घर बैठे आसानी से सीख सकते हैं, नीचे कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं-

- Google की इन दोनों ही वेबसाइटों के द्वारा आप बिना किसी फीस के इस कोर्स को सीख सकते हैं।
- जब आप यहां से कोर्स ख़तम कर लेते हैं तो आपको Google की तरफ से सर्टिफिकेट भी दिया जाता है। इस सर्टिफिकेट की अन्य के मुकाबले काफी अहमियत होती है।
- Google डिजिटल अनलॉक से आप डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी बातों सीख सकते है वो भी टेक्स्ट और वीडियो दोनों फॉर्मेट में । यहां से आप डिजिटल मार्केटिंग की बारीकियों को बहुत अच्छे तरीके से समझ सकते है।
- Courses को अनलॉक करने के लिए आपको आपके Google अकाउंट से साइन-अप करना होगा।
- साइन-अप करने के बाद आपके सामने कोर्सेज की डिटेल आ जाएगी, जिसमें 26 मॉड्यूल होंगे जिनकी अवधि 40 घंटे होगी।

## लोकप्रिय कोर्सेज :

डिजिटल मार्केटिंग में कई सारे कोर्स होते हैं, जिनके अलग-अलग स्पेशलिस्ट होते हैं। ऐसे ही टॉप कोर्स की लिस्ट नीचे दी गई है

i. CDMM (Certified Digital Marketing Master)
ii. SEO (Search engine optimization)
iii. SMM (Social media marketing)
iv. E-mail Marketing
v. Inbound Marketing
vi. Growth Hacking
vii. Web Analytical
viii. Mobile Marketing

## डिजिटल मार्केटिंग में करियर

- कंटेंट मार्केटर
- कॉपीराइटर
- कन्वर्शन रेट ऑप्टिमाइजेशन
- PPC मैनेजर/एग्जीक्यूटिव
- SEO एग्जीक्यूटिव/मैनेजर
- SEM मैनेजर/एक्सपर्ट
- सोशल मीडिया मैनेजर/एग्जीक्यूटिव
- ई-कॉमर्स मैनेजर
- एनालिटिकल मैनेजर
- CRM & ईमेल मार्केटिंग मैनेजर
- वेब डिजाइनर/डेवलपर और डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर/निदेशक
- SEO एग्जीक्यूटिव/मैनेजर

## 8. डिप्लोमा इन एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया

➢ किसी भी स्ट्रीम का छात्र इस कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।
कक्षा 12वीं में छात्र को कम से कम 50 प्रतिशत अंक से पास होना अनिवार्य है।

➢ डिप्लोमा इन एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया कोर्स 1 साल का कोर्स है जिसे छात्र कक्षा 12वीं के बाद कर सकते हैं। डिप्लोमा इन एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया कोर्स अंडरग्रेजुएट लेवल का कोर्स है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र **वेब डिजाइनर, एनालिस्ट और रिसर्च** आदि के तौर पर कार्य कर सकते हैं। इस कोर्स के छात्रों को कई बड़े संस्थानों द्वारा नौकरी दी जाती है।

## प्रवेश प्रक्रिया

मेरिट बेस पर प्रवेश कक्षा 12वीं में हासिल किए अंकों के आधार पर दिया जाता है।

❖ आईफा मल्टीमीडिया, बैंगलोर
❖ लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर
❖ एफएडी इंटरनेशनल, पुणे
❖ एमएटीएस विश्वविद्यालय, रायपुर
❖ एपीजे इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन, दिल्ली
❖ पर्ल अकादमी, नई दिल्ली
❖ रैफल्स डिजाइन इंटरनेशनल, मुंबई

➢ **जॉब प्रोफाइल :** एनिमेटर, आर्ट डायरेक्टर, फ्लैश एनिमेटर, फिल्म एंड वीडियो एडिटर

## 9. डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट

- इवेंट मैनेजमेंट शादी, समारोह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी अवार्ड फंक्शन, टीवी शो, म्यूजिक लांच, म्यूजिक फंक्शन, फ़िल्म अवार्ड, फैशन शो, थीम पार्टी, प्रदर्शनी, कॉरपोरेट सेमिनार, फंक्शन बड़े से बड़े समारोह की प्लानिंग और ऑर्गनाइज करने का काम इवेंट मैनेजर ही करते हैं
- यह काम काफी तेजी से भी ग्रोथ कर रहा है. इवेंट मैनेजमेंट करने के लिए कई टाइप के कोर्स उपलब्ध हैं जिनमें बेहतरीन करियर संभावनाएं नज़र आ रही हैं.

## इवेंट मैनेजमेंट कोर्स

इवेंट मैनेजमेंट या पीजी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, एम.बी.ए. इन इवेंट मैनजमेंट के लिए ग्रेजुएट होना जरूरी है. बैचलर डिग्री की ड्यूरेशन 3 वर्ष, डिप्लोमा 2 वर्ष, मास्टर डिग्री 2 वर्ष होती है. इसके साथ ही इवेंट मैनेजमेंट के अंतर्गत 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं. यहां इवेंट मैनेजमेंट के अंतर्गत आने वाले कुछ कोर्स की लिस्ट है जिनमें  बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है.

- सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
- पी.जी. डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
- बैचलर इन इवेंट मैनेजमेंट
- बी.एस.सी. इन इवेंट मैनेजमेंट
- बी.बी.ए. इन इवेंट मैनेजमेंट
- बी.ए. इन इवेंट मैनेजमेंट
- मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट
- एम.बी.ए. इन इवेंट मैनेजमेंट

## करियर विकल्प :

इवेंट प्लानर, इवेंट ऑर्गेनाइजर, इवेंट कोर्डिनेटर, क्रिएटिव इवेंट मार्केटिंग मैनेजर बिजनेस डेवेलपमेंट एक्जिक्यूटिव, इवेंट एक्जिक्यूटिंग ऑफिसर, पीआर और इवेंट मैनेजर, कस्टमर केयर एक्जिक्यूटिव

## 10. डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट

- होटल मैनेजमेंट में बहुत से कोर्स आते हैं जो कि छात्र किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं क्लास पास करने के बाद आसानी से कर सकते हैं।
- जो छात्र हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में अपना करियर चुनना चाहते हैं, वे 10वीं क्लास के बाद होटल मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। होटल मैनेजमेंट में मार्केटिंग, कैटरिंग मैनेजमेंट, होटल एडमिनिस्ट्रेशन, अकाउंट्स और हाउसकीपिंग जैसे विषय के साथ बहुत से कोर्स शामिल हैं।
- होटल मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 10वीं क्लास के बाद एक से तीन साल तक का अंडरग्रेजुएट कोर्स होता है
- ये कोर्स को मुख्य रूप से 6 सेमेस्टर में विभाजित किया गया है जो कि मार्केटिंग, कैटरिंग मैनेजमेंट, होटल एडमिनिस्ट्रेशन, अकाउंट्स और हाउसकीपिंग पर केंद्रित होता है।
- होटल मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स में एडिमशन या तो मेरिट बेस्ड होता है या फिर एंट्रेंस एग्जाम बेस्ड होता है।
- इस कोर्स को पूरा करने के बाद छात्र, होटल मैनेजर, होटल असिस्टेंट, रेस्टोरेंट मैनेजर और अन्य के रूप में काम कर सकते हैं।
- छात्र भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में निम्नलिखित कोर्स में से किसी एक के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### कोर्स का नाम

- डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन फूड सर्विस
- डिप्लोमा इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन फुड एंड बैवरेज प्रोडक्शन
- डिप्लोमा इन फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस
- डिप्लोमा इन बेकरी एंड कन्फेक्शनरी
- डिप्लोमा इन फुड एंड कैटरिंग मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी

## होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा करने के बाद करियर स्कोप

- होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा करने के बाद छात्र होटल और टूरिज्म कंपनियों, गेस्टहाउस और फॉरेस्ट लॉज जैसे क्षेत्रों में नौकरी की तलाश कर सकते हैं।
- साथ ही आप बैंकों, रेलमार्गों, परिवहन एजेंसियों आदि को खानपान की सुविधा भी प्रदान कर सकते हैं।
- होटल मैनेंजमेंट कोर्स करने के बाद आप निम्न कंपनियों में हाइयर होने की उम्मीद कर सकते हैं जो कि आपकी योग्यता पर निर्भर करता है कि आपको किस जॉब प्रॉफाइल के लिए चुना जाएगा।

i. ओबेरॉय होटल
ii. आईटीसी
iii. ताज ग्रुप
iv. हिल्टन ग्रुप
v. ओयो रूम्स
vi. सरोवर होटल और रिसॉर्ट्स
vii. लेमन ट्री होटल
viii. इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड

## 11. डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग

- 10वीं पास करने के बाद फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा एक 1 साल की अवधि का कोर्स है कर सकते हैं जो कि फैशन ट्रेंड पर आधारित होता है आमतौर पर ये कोर्स एक साल का होता है लेकिन कुछ कॉलेज फैशन डिडाइनिंग में 2 साल का डिप्लोमा कोर्स भी प्रदान करते हैं।
- इस कोर्स में रुचि रखने वाले उम्मीदवार को एडमिशन लेने के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं कक्षा में पास होना जरूरी है।
- फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा करने के लिए एलिजिबिलिटी जो उम्मीदवार फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा करना चाहते हैं, उन्हें 10वीं कक्षा में न्यूनतम 50% अंक हासिल करना आवश्यक है।

## फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा करने के लिए एडमिशन प्रोसेस

- अधिकांश निजी कॉलेज 10 वीं कक्षा के मार्क्स के आधार पर ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन करने वाले उम्मीदवार को इस कोर्स में सीधे प्रवेश दिया जाता है।
- इस डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कोई विशिष्ट एंट्रेंस एग्जाम नहीं है, लेकिन मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, निफ्ट, जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी जैसे इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेने के लिए लिखित परीक्षा देना अनिवार्य है। जिसके बाद इन कॉलेजों में एक ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंट्रव्यू के द्वारा उम्मीदवार की रुचि, उद्देश्य, कैरियर के उद्देश्यों को मापा जाने के बाद ही प्रवेश दिया जाता है।

## फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा करने के लिए प्रमुख एंट्रेंस एग्जाम के नाम

- NIFT Entrance Exam (**National Institute of Fashion Technology**)
- NID Design Aptitude Test (**National Institute of Design**)
- FDDI AIST (**Footwear Design and Development Institute All India Selection Test**)
- AIFD WAT (**Army Institute of Fashion & Design Written Admission Test**)
- Pearl Academy Entrance Exam
- SEED (**Symbiosis Entrance *Exam* for Design (SEED)**)
- SEAT Exam (**Srishti Entrance and Aptitude Test)**

## 10वीं के बाद फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा: स्कोप

फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा पूरा करने के बाद छात्रों के पास बहुत बड़ा स्कोप होता है। फैशन डिजाइनिंग कोर्स में डिप्लोमा करने के बाद, कई निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्रों में रोजगार के विभिन्न अवसर मिलते हैं। जैसे कि आपको स्टाइलिंग, क्लोदिंग, रिटेनिंग, ख़रीदना आदि क्षेत्रों में नौकरी मिल सकती है। साथ ही आप एक उद्यमी, फैशन लेखक, ब्लॉगर के रूप में भी काम कर सकता है और अपने बॉस के रूप में अच्छा पैसा कमा सकता है।

## फैशन डिजाइनिंग में कोर्स के लिए जॉब प्रॉफाइल निम्न है-

- फैशन डिजाइनर
- इवेंट कॉडिनेट
- फैशन फोरकास्टर
- स्टाइलिस्ट
- टेक्सटाइल डिजाइनर
- क्रिएटिव डिज़ाइनर
- विक्रेता
- स्टोरमैनेजर
- तकनीकी डिजाइनर
- फैशन फोटोग्राफर
- सेल्स मैनेजर

फैशन इंडस्ट्री में, किसी व्यक्ति की शैक्षणिक योग्यता के बजाय उसके अनुभव को अधिक महत्व दिया जाता है। इसलिए, सही कौशल, रचनात्मकता और अनुभव छात्रों को उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में बहुत मदद कर सकते हैं। छात्र बैचलर और एडवांस डिप्लोमा कोर्स जैसे बैचलर ऑफ डिजाइन, एडवांस डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन और कई अन्य सर्टिफिकेशन कोर्स भी चुन सकते हैं

## फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा के लिए टॉप कॉलेज की सूची कॉलेज का नाम

- ❖ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- ❖ पर्ल एकेडमी, नई दिल्ली
- ❖ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- ❖ जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- ❖ इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फ़ैशन डिज़ाइन, चेन्नई
- ❖ वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन, बैंगलोर
- ❖ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन, नई दिल्ली
- ❖ मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

## 12. ट्रेवल और टूरिज्म

- ➢ अगर आप ट्रेवल और टूरिज्म में करियर बनाना चाहते है तो आप 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद कोई भी कोर्स कर सकते है।
- ➢ 12वीं के बाद इस फिल्ड में तीन साल की डिग्री कर सकते है जैसे बीए, बीबीए, बीएचटीएम, बीएससी आदि कर सकते है।
- ➢ वहीं ग्रेजुएशन के बाद टूरिज्म में एमए, एमबीए, आदि के प्रोग्राम किए जा सकते है। इसके अलावा इस फिल्ड में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स और 1 साल का पीजी डिप्लोमा भी किया जा सकता है।

## यहां से कर सकते है कोर्स-

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- गार्डन सिटी कॉलेज, बैंगलुरू
- इंस्टिट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड एविएशन मैनेजमेंट, मुंबई
- एकेडमी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, टूरिज्म एंड रिसर्च, बैंगलुरू

## कोर्स करने के बाद यहां मिलेगी नौकरी-

- ➢ प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप ट्रेवल एजेंसी या ट्रेवल कंपनी में इंटर्नशिप करके एक्सपीरियंस गेन कर सकते हैं।
- ➢ आजकल कई ट्रेवल कंपनियां जैसे मेक माय ट्रिप, आईबीबो डॉट कॉम, यात्रा डॉट कॉम आ गई है आप इनमें से किसी एक में ट्रेनिंग ले सकते है।
- ➢ इस फिल्ड में कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद आप खुद की ट्रेवल एजेंसी भी शुरू कर सकते है।

## 13. एग्रीकल्चर डिप्लोमा

- एग्रीकल्चर डिप्लोमा **दो साल** का कोर्स होता है जो एग्रीकल्चर के विभिन्न रूपों, पशुधन और फसल प्रबंधन, एग्रीकल्चर विस्तार, एग्रीकल्चर रसायन विज्ञान आदि के बारे में ज्ञान प्रदान करता है।
- कृषि डिप्लोमा कोर्स के ग्रेजुएट सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। इस क्षेत्र के विशाल दायरे और एग्रीकल्चर के तहत विभिन्न क्षेत्रों या शाखाओं में फैले पर्याप्त अवसरों को देखते हुए, यह उन लोगों को शिक्षित करने के लिए पूरी तरह समर्पित है जो इसे औपचारिक रूप से जानने में रुचि रखते हैं। भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में पर्याप्त विश्वविद्यालय, कॉलेज और संस्थान हैं जो एग्रीकल्चर में डिप्लोमा प्रदान करते हैं।

| | |
|---|---|
| कोर्स | एग्रीकल्चर में डिप्लोमा |
| अवधि | 1 से 2 साल |
| कोर्स स्तर | डिप्लोमा |
| आवश्यकता | कक्षा 10 या 10+2 |
| कोर्स प्रकार | सेमेस्टर |
| एडमिशन का तरीका | मेरिट और प्रवेश परीक्षा द्वारा आधारित |
| कोर्स के बाद जॉब प्रोफाइल | एग्रोनॉमिस्ट, एग्रीकल्चर इंजीनियर, एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर |
| वेतन | 2 से 10 लाख INR/वर्ष |

## कुछ प्रमुख एग्रीकल्चर डिप्लोमा कोर्सेस

एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अध्ययन के लिए कई डिप्लोमा कोर्सेस के विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं-

- Diploma in Agriculture
- Diploma in Food Processing
- Diploma in Seed Technology
- Diploma in Horticulture
- Diploma in Organic Farming
- Diploma in Animal Husbandry
- Diploma in Agro Products Processing
- Diploma in Post Harvest Technology
- Diploma in Dairy Technology

## एग्रीकल्चर में डिप्लोमा के लिए भारत के टॉप विश्वविद्यालय

भारत में एग्रीकल्चर कोर्सेज प्रदान करने वाले संस्थानों का नाम यहां बताया गया है-

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (IGNOU)
- द इंस्टीट्यूट ऑफ केरला वेटेरिनरी एंड एनिमल सांइस, केरला
- द इंस्टीट्यूट ऑफ आनन्द एग्रीकल्चर, गुजरात
- द इंस्टीट्यूट ऑफ इंदिरा गांधी एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
- द इंस्टीट्यूट ऑफ महाराष्ट्र एनिमल एंड फिशरी साइंसेज, महाराष्ट्र
- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर
- द इंस्टीट्यूट ऑफ श्री वेंकटेश्वर वेटरनरी, आंध्रप्रदेश
- द इंस्टीट्यूट ऑफ कर्नाटक वेटरनरी, एनिमल एंड फिशरीज

## करियर विकल्प

एग्रीकल्चर डिप्लोमा के बाद कुछ लोकप्रिय करियर विकल्प नीचे दिए गए हैं:

❖ **एग्रोनॉमिस्ट**

एक कृषिविज्ञानी मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होता है। वह मिट्टी की बेहतर उत्पादकता के लिए पौधों और मिट्टी का अध्ययन करता है। वे बेहतर कटाई तकनीक का सुझाव भी देते हैं, फसल की समस्याओं को हल करते हैं, बेहतर खेती में मदद करते हैं।

❖ **कृषि अधिकारी**

भारत की सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली सरकारी नौकरियों में से एक कृषि अधिकारी का पद है। इस पद से बहुत सारी प्रतिष्ठा और मान्यता जुड़ी हुई है, और यह पद हर साल हजारों छात्रों द्वारा प्राप्त किया जाता है, खासकर एग्रीकल्चर डिप्लोमा वाले छात्रों द्वारा। एक कृषि अधिकारी की जिम्मेदारियों में राज्य और स्थानीय क्षेत्रों में होने वाली कृषि गतिविधियों में नियमों और विनियमों का ध्यान रखना शामिल है।

❖ **कृषि इंजीनियर**

एक कृषि इंजीनियर एक पेशेवर है जो कृषि क्षेत्र में समाधान के साथ आने के लिए कृषि और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को लागू करता है और उनका उपयोग करता है। एक कृषि इंजीनियर को जैविक इंजीनियर के रूप में भी जाना जाता है। एक कृषि इंजीनियर कृषि से संबंधित समस्याओं जैसे उपकरणों के प्रकार और उनकी दक्षता, किसी भी पर्यावरणीय मुद्दे, भंडारण से संबंधित बाधाओं और अन्य को हल करने के लिए जिम्मेदार होता है।

❖ **एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर**

एक एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर वह होता है जो खाद्य जनित रोगों को रोकने और सभी को स्वस्थ भोजन प्रदान करने का काम करता है। हम जो कुछ भी खाते हैं वह सीधे हमारे पास नहीं आता, खासकर शहरों में। अंतत: उपभोक्ता के पास आने से पहले भोजन कई विभागों से होकर गुजरता है। एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर की भूमिका उत्पादन की गुणवत्ता की जांच करना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी गतिविधियां, नियमों और विनियमों के अनुसार हों।

## टॉप भर्तीकर्ता

एग्रीकल्चर उद्योग में शीर्ष भर्तीकर्ता हैं-

- Amul
- HJ Heinz Company
- Indian Tobacco Company
- Mother Dairy
- Nestle
- Vadilal Group
- Reliance Industries
- Metro Dairy Limited
- COMFED (Sudha)
- Heritage Foods
- Britannia Industries
- Vasudhara Dairy
- Hatsun Agro Product Limited

## 14. डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइनर

- इस कोर्स के लिए आपको किसी भी बोर्ड से 12 वीं पास होना चाहिए।
- इसमें आपके पास चाहे कोई भी स्ट्रीम क्यों ना हो बस आपके नंबर 50 प्रतिशत से अधिक होने चाहिए।
- इसके बाद आप चाहे तो **इंटीरियर डिजाइनर** के डिप्लोमा या किसी भी डिग्री कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।
- यदि आप डिप्लोमा करते हैं तो ये एक साल का होगा। लेकिन यदि आप इंटीरियर डिजाइनर का डिग्री कोर्स करते हैं तो ये चार साल का होगा।

## 15. डिप्लोमा इन एडवरटाइजमेंट

- एडवरटाइजमेंट में कोर्स करने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना है। जिसके बाद आप डिप्लोमा व ग्रेजुएशन कर सकते हैं।
- वहीं अगर आप मास्टर कोर्स जैसे मास्टर इन मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म, पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं, तो किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना जरूरी है।
- इस फील्ड में बैचलर डिग्री 3 साल की होती है। वहीं डिप्लोमा व मास्टर डिग्री 2 साल और पीजी डिप्लोमा 1 साल का होता है। गवर्नमेंट कॉलेज में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होता है। पास होने पर ही एडमिशन मिलता है। वहीं कुछ सरकारी संस्थानो में प्रवेश मेरिट के आधार पर भी हो जाता है।

### कोर्स (Course for Advertising)

- डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन
- डिप्लोमा इन मास कम्युनिकेशन
- बीएससी इन मास कम्युनकेशन, एडवरटाइजिंग एंड जर्नलिज्म
- बैचलर इन जर्नलिज्म एंड मास कंम्युनकेशन
- मास्टर इन मास कंम्युनकेशन एंड जर्नलिज्म
- पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन
- पीजी डिप्लोमा इन मास कंम्युनकेशन
- बीबीए इन एडवरटाइजिंग
- एमबीए इन एडवरटाइजिंग
- बैचलर इन एडवरटाइजिंग एंड जर्नलिज्म

### करियर का स्कोप

- एडवरटाइजिंग के क्षेत्र में आज के समय मे बहुत अच्छा करियर बनाया जा सकता है। मोबाइल फोन हो या टीवी या फिर न्यूज़ पेपर हर जगह पर एडवरटाइजमेंट का बोलबाला है।
- हर कंपनी चाहती है कि उसके प्रोडक्ट के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोग जाने। जिससें उस कंपनी का प्रोडक्ट अधिक बिके। इसके कारण एडवरटाइजमेंट के लिए होड़ सी लगी है। एडवरटाइजमेंट के क्षेत्र में हो रही ग्रोथ के कारण इस इंडस्ट्री में एक्सपर्ट लोगो की काफी डिमांड बढ़ रही हैं।
- आप किसी भी एडवरटाइजमेंट कंपनी में आसानी से काम पा सकते हैं। खुद की भी एजेंसी खोल सकते हैं। इसके अलावा आप न्यूज़ चैनल, टीवी, रेडियो, न्यूज़पेपर, पत्रिकाओं, न्यूज़ पोर्टल आदि में भी जॉब कर सकते हैं।

### जॉब प्रोफाइल

मीडिया रिसर्चर, मीडिया प्लानर, कॉपी राइटर, क्रिएटिव डिपार्टमेंट, प्रोडक्शन मैनेजर, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, डाइरेक्टर ऑफ एडवरटाइजिंग, मीडिया रिसर्चर, मीडिया प्लानर, क्रिएटिव राइटर, स्क्रिप्ट राइटर, कॉपी राइटर, प्रोडक्शन मैनेजर, डायरेक्टर ऑफ एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन ऑफिस, रजिंगल राइटर जैसी प्रोफाइल शामिल हैं।

# साइबर क्राइम Job Opportunities:

- आज के समय में ज्यादातर ठगी व फ्रॉड के केस ऑनलाइन ही हो रहे हैं। ऐसे में तरह-तरह के ऑनलाइन क्राइम ने साइबर सिक्योरिटी की चिंता बढ़ा दी।
- जिस वजह से इस फील्ड में साइबर सिक्योरिटी और साइबर लॉ जानने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ गई है।
- **क्या है साइबर क्राइम :** साइबर क्राइम के उसे कहा जाता है, जब इंटरनेट का गलत तरीके से इस्तेमाल करके किसी भी तरह के अपराध से लोगों को नुकसान पहुंचाया जाए। साइबर क्राइम के अंतर्गत ब्लैकमेलिंग, स्टॉकिंग, कॉपीराइट, क्रेडिट कार्ड चोरी, फ्रॉड, आदि आते है इसके अलावा इंटरनेट के माध्यम से किए जाने वाले सभी अपराधों को साइबर क्राइम माना गया है। इसकी रोकथाम के लिए साइबर सिक्योरिटी और साइबर लॉ की समझ रखने वाले प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। यही कारण है कि अब साइटबर एक्सपर्ट की भी मांग बढ़ गई है।
- साइबर क्राइम के क्षेत्र में अगर आप भी अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं पास करने के बाद आप इससे संबंधित कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।
- जिन लोगों ने पहले से ही कानून की डिग्री ले रखी है उन लोगों के लिए एक यह एक बेहतरीन फील्ड साबित हो सकती है। साइबर से संबंधित कोर्स करने के लिए आपका किसी भी स्ट्रीम में 12वीं या ग्रेजुएशन पास होना जरूरी है।

- बीए एलएलबी साइबर लॉ स्पेशलाइजेशन- 5 साल
- साइबर लॉ में एलएलएम- 1 साल
- मास्टर ऑफ साइबर लॉ- 2 साल
- एमटेक इन साइबर लॉ- 2 साल
- डिप्लोमा इन साइबर लॉ- 1 साल
- पीजी डिप्लोमा इन साइबर लॉ- 1 साल

# 12th Science के बाद प्रमुख कंप्यूटर कोर्स

- कंप्यूटर कोर्स अभी जोरों पर हैं. बहुत से स्टूडेंट इसे करना चाहते हैं. नीचे आपको कुछ बीटेक, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट **कंप्यूटर कोर्स की सूची** दी जा रही हैं:

- **12वीं विज्ञान के बाद प्रमुख कंप्यूटर कोर्स निम्नलिखित है:**

- बीई या बीटेक इन कंप्यूटर साइंस
- बीटेक इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी
- बैचलर कंप्यूटर साइंस
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (BCA)
- डिप्लोमा इन हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग
- सर्टिफिकेट इन C, C++ या Java
- कंप्यूटर ऐडेड डिजाइनिंग (CAD)
- साइबर सिक्योरिटी
- सर्टिफाइड इंफॉर्मेशन सिस्टम सिक्योरिटी प्रोफेशनल

ऊपर बताए गए कोर्स में से आप अपनी सहूलियत के हिसाब से कोई भी कोर्स कर सकते हैं. जैसे आप अगर अभी-अभी बारहवीं पास किए हैं तो बी टेक या डिप्लोमा आपके लिए सही रहेगा. वहीं अगर आप कोई और बैचलर डिग्री करने का योजना बनाए हैं, तो उनके साथ सर्टिफिकेट कंप्यूटर कोर्स कर सकते हैं. यह कम अवधि का होता है आसान होता है, तथा इसमें पैसा भी कम लगता है.

# Career Options After 12th Arts

## 1. BA (Bachelor of Arts)

आर्ट्स से 12वीं करने के बाद छात्र विभिन्न स्पेशलाइजेशन में बीए कर सकते हैं. छात्र चाहें तो नियमित अथवा डिस्टेंस से बीए का कोर्स कर सकते हैं. इसके माध्यम से छात्र एकेडमिक, टूरिज्म, फिल्म मेकिंग, मीडिया एवं कई अन्य क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं. कुछ प्रमुख बी ए कोर्स निम्नलिखित हैं.

1. BA Political Science
2. BA Journalism
3. BA Animation
4. BA Economics
5. BA Social Science
6. BA Travel And Tourism
7. BA Psychology
8. BA History

## 2. BBA (Bachelors Of Buisness Administration)

12वीं आर्ट्स के बाद छात्र बीबीए कोर्स भी कर सकते हैं. यह सबसे लोकप्रिय कोर्स में से एक है और इसे करने के बाद छात्र मार्केटिंग, सेल्स, फाइनेंस, हॉस्पिटैलिटी, शिक्षा एवं सरकारी क्षेत्र में करियर बना सकते हैं. कुछ प्रमुख बीबीए कोर्स ये हैं-

1. BBA Marketing
2. BBA Computer Application
3. BBA Finance
4. BBA Digital Marketing
5. BBA Human Resource Management
6. BBA International Buisness

## 3. BA LLB

बीए एलएलबी एक 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स है. जिसमें बीए यानी बैचलर ऑफ आर्ट्स एवं एलएलबी, बैचलर ऑफ लेजिसलेटिव लॉ सम्मिलित होते हैं. लॉ क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए यह बेहतरीन विकल्प होता है. इसमें छात्रों को राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास से लेकर विभिन्न लॉ के विषय पढ़ाए जाते हैं.

## 4. आर्किटेक्चर (B.Arch)

बैचलर ऑफ आर्ट्स इन आर्किटेक्चर, (B.Arch) एक 5 वर्षीय अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम होता है. जिसमें किसी भी स्ट्रीम के छात्र एडमिशन ले सकते हैं. इसमें बिल्डिंग के स्ट्रक्चर, मॉडल, ब्लूप्रिंट बनाना सिखाया जाता है. इस फील्ड में करियर बनाने के लिए छात्रों को नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर, NATA प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है.

## 5. पत्रकारिता (Journalism)

छात्र 12वीं आर्ट्स के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं. इसके लिए वे बैचलर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म (Bachelors Of Arts In Journalism, BAJ), बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (Bachelors Of Journalism and Mass Communication, BJMC) जैसे कई कोर्स कर सकते हैं और प्रिंट, रेडियो, टीवी, पत्रकारिता में अपना करियर बना सकते हैं. इसके अलावा इस कोर्स के माध्यम से एंकरिंग, विज्ञापन, फिल्म, मीडिया क्षेत्र में भी करियर के विकल्प खुल जाते हैं.

# कॉमर्स के विद्यार्थी 12वीं के बाद इन Courses में ले सकते है दाखिला

## 1. चार्टर्ड एकाउंटेंसी

**फाइनेंस** और व्यापार के क्षेत्र में देश-विदेश हमेशा से तरक्की कर रहे हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था ही देश की तरक्की तय करती है। **चार्टेड अकाउंटेंट** (CA) देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरियों में से एक है। वहीं कॉमर्स स्ट्रीम में यह सबसे लोकप्रिय कोर्सेज में से एक है। वहीं इसकी कम फीस होने के कारण इसकी पढ़ाई देश का कोई भी छात्र कर सकता है।

- चार्टर्ड एकाउंटेंसी एक बिज़नेस एरिया है, जो आम भाषा में किसी भी आर्गेनाइजेशन और बिज़नेस यूनिट के लिए फाइनेंसियल एकाउंटिंग और टैक्स मैनेजमेंट का कार्य करते हैं।
- चार्टर्ड अकाउंटेंट वर्ल्ड क्लास प्रोफ़ेशनल डिग्री है, जो दुनिया भर में सर्टिफाइड एकाउंटिंग प्रोफ़ेशनल को दिया जाता।
- भारत में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए आपको इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया (ICAI) द्वारा **CA कोर्स** पूरा करना होगा। किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से कुल मिलाकर कम से कम 50 फीसदी अंकों से 12वीं पास होनी ज़रूरी है।
- चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रेस्टीजियस सर्टिफिकेट को पाने के लिए CA कोर्स को पूरा करना अनिवार्य है। इस कोर्स में लगभग 5 वर्ष का समय लगता है और जिसका उद्देश्य अकाउंट और अकाउंट इंडस्ट्री में आपकी पकड़ मजबूत करने में मदद करना होता है। ये चार मुख्य चरणों में विभाजित है जैसे **CA Foundation** or CPT, **CA IPCC,** आर्टिकलशिप, CA फाइनल।
- एक चार्टेड अकाउंटेंट के कार्य नीचे दिए हैं।

1. बजट और फाइनेंस मैनेज करना।
2. फाइनेंसियल ऑडिट करनाा।
3. व्यापर सम्बन्धी और वित्तीय सलाह प्रदान करना।
4. एकाउंटिंग रिकॉर्ड को अच्छे से मैनेज करना।
5. क्लाइंट से संपर्क करना और एनालिसिस लेना।

## चार्टर्ड अकाउंटेंट कैसे बनें?

CA बनने के लिए आपको 12वी के बाद **सीपीटी परीक्षा** को पास करना होता है। सीपीटी **(CPT)** परीक्षा को पास करने के बाद आप **आईपीसीसी (IPCC)** परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। हालांकि कई बार छात्र सीपीटी की परीक्षा देने से चूक जाते हैं, लेकिन आप अपना ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद भी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

**website: www.icai.org**

## CA फाउंडेशन कोर्स

इस पद के लिए इच्छुक कैंडिडेट्स को 12th पास करने के बाद CA फाउंडेशन कोर्स की तैयारी करनी होती है। इस कोर्स को पहले CPT भी कहा जाता था, जिसमें कैंडिडेट से CA के लिए एंट्रेंस टेस्ट कराया जाता था। उस समय इस कोर्स को करने के लिए कैंडिडेट को 10th के बाद ही रजिस्ट्रेशन करना होता था। लेकिन अब इसे CA फाउंडेशन कोर्स के नाम जाना जाता है, इसे करने के लिए आवेदक को 12वीं के बाद रजिस्ट्रेशन करना पड़ता है। यह परीक्षा हर वर्ष मई और नवंबर में आयोजित होती है।

## CA इंटरमीडिएट कोर्स

CA फाउंडेशन को क्रैक कर लेने वाले कैंडिडेट के लिए दूसरा चरण CA इंटरमीडिएट कोर्स होता है। इसमें कैंडिडेट CA फाउंडेशन या ग्रेजुएशन के बाद डायरेक्ट आवेदन कर सकते हैं। किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले कैंडिडेट्स को CA फाउंडेशन करना ज़रूरी नहीं होता है, लेकिन इसके लिए कैंडिडेट्स को ग्रेजुएशन/पोस्ट ग्रेजुएशन में कॉमर्स स्ट्रीम में मिनिमम 55% और अन्य स्ट्रीम में 60% मार्क्स लाना बेहद ज़रूरी है।

## आर्टिकलशिप

CA IPCC या इंटरमीडिएट कोर्स करने के बाद आपको किसी CA के अंतरगर्त या अपनी 3 साल की आर्टिकलशिप पूरी करनी होगी। यहाँ आपको टैक्स रिटर्न से लेकर ऑडिटिंग तक का प्रैक्टिकल नॉलेज मिलता है। यहाँ आपको CA के कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में पता चलेगा।

## CA फाइनल

कैंडिडेट जब CA इंटरमीडिएट को पास कर लेते हैं और अपनी आर्टिकलशिप पूरी कर लेते हैं या ट्रेनिंग पूरी करने से 6 महीने पहले CA फाइनल के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यह CA बनने का अंतिम चरण होता है, जिसे पास करने के बाद कैंडिडेट को CA पद के लिए लिए अप्पोइंट कर लिया जाता है।

## 2.कंपनी सेक्रेटरी(कंपनी सचिव (सीएस))

- एक कंपनी सेक्रेटरी, लीगल एक्सपर्ट या कंपनी के कुशल एडमिनिस्ट्रेशन को सुनिश्चित करने के लिए एककंप्लायंस ऑफ़िसर है। वे कॉर्पोरेट और सिक्योरिटी लॉ के एक्सपर्ट हैं, जो स्टटूटोरी और लीगल कंप्लायंस और अधिकारियों के निर्णय लो लागु करते हैं।
- कंपनी सचिव या सीएस भी छात्रों में सीए के बाद सबसे लोकप्रिय कोर्स है। जिसे 12वीं में 50 फीसदी अंक हासिल करने के बाद किया जा सकता है।
- इस कोर्स के बाद आप कंपनी सेक्रेटरी बन जाएंगे। सीएस की डिग्री पाने के लिए आपको इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) के साथ रजिस्टर्ड होना पड़ेगा।

  **website: www.icsi.edu**

- एक बार जब आप 10+2 पूरी कर लेते हैं, तो आप कंपनी सेक्रेटरी कोर्स कर सकते हैं। CS का कोर्स तीन वर्ष का है, यह कोर्स 3 चरणों में पूरा होता है।

- फाउंडेशन कोर्स
- एग्जीक्यूटिव कोर्स
- प्रोफ़ेशनल कोर्स

## 3. बीकॉम इन अकाउंटिंग एंड कॉमर्स

बैचलर ऑफ कॉमर्स यानि बीकॉम एक डिग्री कोर्स है जिसे हर कॉलेज अपने पाठ्यक्रम में शामिल ज़रूर करता है। इस पाठ्यक्रम की अवधि भारतीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 3 साल की होती है। जिसे किसी भी यूनिवर्सिटी या अन्य शिक्षण संस्थान से किया जा सकता है।

# 12th Science के बाद प्रमुख सरकारी नौकरियां

## 12वीं विज्ञान के बाद प्रमुख सरकारी नौकरियां निम्नलिखित है:

- आर्मी
- नेवी
- एयरफोर्स
- असिस्टेंट लोको पायलट
- रेलवे कांस्टेबल
- रेलवे क्लर्क
- टेक्निकल असिस्टेंट
- लोअर डिविजन क्लर्क
- स्टेनोग्राफर
- मल्टी टास्किंग स्टाफ
- जूनियर सेक्रेटरी असिस्टेंट
- सबमरीन ऑफिसर

ऊपर बताए गए सभी 12वीं पास नौकरी के लिए आपको कोई न कोई सरकारी परीक्षा देना ही होगा. तो आइए 12th science ke baad govt exam list देख लेते हैं.

# 12वीं विज्ञान के बाद प्रमुख सरकारी परीक्षाएं

## 12वीं विज्ञान के बाद प्रमुख सरकारी परीक्षाएं निम्नलिखित है:

❖ **नेशनल डिफेंस एकेडमी** (NDA-National Defense Academy)

कैंडिडेट जो भारतीय सेना के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से **12वीं (10+2 पैटर्न)** या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की होनी चाहिए। जो स्टूडेंट अभी **12 वीं** कक्षा में हैं वे भी इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

1. वायु सेना और नौ सेना में जाने के लिए स्टूडेंट के पास **12वीं** में **(PCM) भौतिक विज्ञान (Physics), गणित(Mathematics)** तथा **रसायन विज्ञान (Chemistry)** विषयों का होना जरुरी है।
2. कैंडिडेट को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होना चाहिए।
3. कैंडिडेट की हाइट कम से कम **157 सेंटीमीटर** होनी चाहिए।

**UPSC (संघ लोक सेवा आयोग)** द्वारा हर वर्ष दो बार इस परीक्षा का आयोजन कराया जाता है जिसे कहा जाता है **"NDA Entrance Exam"** और जिसे क्रैक करना हर किसी के बस की बात नहीं क्योंकि इस परीक्षा में अलग-अलग चरणों बहुत से टेस्ट लिए जाते हैं जिसमें **सामान्य योग्यता से लेकर, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, टीम कौशल, साथ ही शारीरिक और सामाजिक कौशल परीक्षण** जैसे टेस्ट शामिल हैं।

इसके बाद अंतिम चरण होता है एसएसबी इंटरव्यू , जो भी उम्मीदवार परीक्षा के इन चरणों को पास कर लेता है उसे प्रशिक्षण के लिए महाराष्ट्र, पुणे के पास खड़कवासला में स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में कठिन प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और जो युवा प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें उनके संबंधित सेवा के क्षेत्र में अधिकारियों के रूप में सेना में ज्वाइन करवाया जाता है। जो युवा इस प्रशिक्षण को पूरा करते हैं उन्हें कहा जाता है "**कैडेट**"

**एनडीए** प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन माध्यम से दो भागों में आयोजित होगी। इसमें पहला भाग गणित और दूसरा भाग सामान्य योग्यता है।

| | |
|---|---|
| परीक्षा का माध्यम | **ऑफलाइन** |
| भाषा | हिंदी और अंग्रेजी |
| परीक्षा भाग - 1 | गणित |
| परीक्षा भाग - 2 | सामान्य योग्यता |
| परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रकार | वस्तुनिष्ठ (Multiple Choice) |
| परीक्षा के कुल अंक | 900अंक<br>भाग1-गणित(300)<br>भाग 2 - सामान्य योग्यता (600) |
| कुल प्रश्नों की संख्या | 270प्रश्न<br>भाग1-गणित(120)<br>भाग 2 - सामान्य योग्यता (150) |
| परीक्षा की अवधि | प्रत्येक भाग के लिए समय 2:30 घंटे<br>भाग1-गणित(2:30घंटे)<br>भाग2 - सामान्य योग्यता (2:30 घंटे) |
| नकारात्मक अंक | हर एक गलत उत्तर के लिए 1.33 अंक काटा जाएगा और अनुत्तरित प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं दिया जाएगा। |

- **इंडियन एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट** (AFCAT)

**Article I.** एक लिखित परीक्षा है जो भारतीय वायु सेना द्वारा हर साल दो बार IAF में अधिकारियों को शामिल करने के लिए आयोजित की जाती है।

**Article II.** AFCAT एग्जाम आपको अपनी तीन सखाओ में से किसी मे जॉब करने का मौका देता है। AFCAT एग्जाम के द्वारा आप **टेक्निकल ब्रांच, ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच व फ्लाइंग ब्रांच** में जॉइन कर सकते है।

**Article III.** AFCAT एग्जाम में आपको कई तरह के प्रश्न पूछे जाते है। AFCAT एग्जाम में प्रश्न **करंट अफेयर्स, गणित (Math), रीजनिंग, हिंदी, अंग्रेजी(इंग्लिश, इतिहास(हिस्ट्री), पॉलिटी,भूगोल इकोनॉमिक्स** आदि से प्रश्न पूछे जाते है।

- **इंडियन नेवी डायरेक्ट एंट्री एग्जाम एनडीए (NDA For Indian Navy)**

  12वीं पास या अपियरिंग कैंडिडेट एनडीए एग्जाम के लिए अप्लाई कर सकते हैं। 12वीं में 60% मार्क्स का होना आवश्यक है।

- **आरआरबी एनटीपीसी (Railway Recruitment Board Non Technical Popular Categories)**

  आरआरबी एनटीपीसी रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित एक सरकारी परीक्षा है। जिसके द्वारा रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (Non-Technical Popular Categories) में शामिल पदों पर भर्ती का आयोजन करता है।

  जिसमें कमर्शियल अप्रेंटिस, स्टेशन मास्टर, गुड्स गार्ड्स, सीनियर कमर्शियल सह टिकट क्लर्क, सीनियर क्लर्क सह टाइपिस्ट आदि पद शामिल होते है। रेलवे भर्ती बोर्ड इंटरमीडिएट और ग्रेजुएशन दोनों स्तर के पदों पर RRB एनटीपीसी परीक्षा आयोजित करके उन्हें सरकारी नौकरी प्रदान करता है। इसीलिए जो भी उम्मीदवार 12वीं या ग्रेजुएशन पास है वह आरआरबी एनटीपीसी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते है।

- **आरआरबी एएलपी (Assistant Loco Pilot)**

  लोको पायलट बनने हेतु आपको किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा दसवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है, साथ ही आईटीआई का एनसीवीटी अथवा एससीवीटी से प्रमाणित प्रमाण पत्र या डिप्लोमा आवश्यक है, यह डिप्लोमा आईटीआई अथवा पालीटेक्निक से होना चाहिए ,जो इलेक्ट्रिकल, मैकेनिक,ऑटोमोबाइल इनमें से किसी भी एक ट्रेड में होना चाहिए, इसके साथ-साथ आपका कॉलेज एआईसीटीई से प्रमाणित होना चाहिए ।

- **एसएससी सीएचएसएल**
- **एसएससी जीडी**

  उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय से मैट्रिक या 10 वीं पास होना चाहिए।

❖ **एसएससी स्टेनोग्राफर**

स्टेनोग्राफर एक प्रकार की भाषा होती है,जिसे कोडिक लैंग्वेज भी कहा जाता है। स्टेनोग्राफर को शार्ट हैंड ही कहा जाता है इसमें आपको speeches को शार्ट ढंग से लिखना सिखाया जाता है। शॉर्टहैंड एक ऐसी भाषा है जिसको समझना बहुत कठिन होता है।

स्टेनोग्राफर की जरुरत सभी केंद्र सरकार के कार्यालयों में होती है। एसएससी स्टेनोग्राफर के अंतर्गत आने वाले विभाग निम्न लिखित है:

- **Armed Forces Hqs**
- **Comptroller and Auditor General of India(CAG)**
- **Central Board of Indirect Taxes and Customs**
- **Central Board of Direct Taxes (CBDT)-Income Tax Department**
- **Central Secretariat**
- **Central Vigilance Commission**
- **Directorate of Forensic Science**
- **Election Commission of India**
- **Intelligence Bureau**
- **Indian Foreign Service**
- **Ministry of Parliamentary Agency**
- **National Investigation Agency**
- **President's Secretariat**
- **Railway Board Secretariat**

ये सब परीक्षा पास करने के बाद आपको मुख्यत: ग्रुप सी एवं ग्रुप डी स्तर की नौकरी मिलेगी. इसलिए अगर आप **आईएएस (IAS)**, आईपीएस, डीएसपी, जैसा बड़ा पोस्ट पाना चाहते है तो आपको **यूपीएससी (UPSC)** या फिर कोई राज्य स्तरीय सिविल सेवा परीक्षा (जैसे **BPSC**) देना होगा.

# 12वीं के बाद कौन-कौन से प्रतियोगी परीक्षाएं होती हैं ?

भारत में 12वीं के बाद जेईई मेन, नीट (NEET), एनडीए परीक्षा, कॉमन लॉ ऐडमिशन टेस्ट (CLAT), कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट (CPCT) ,कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET), आदि प्रतियोगी परीक्षाएं होती है.

## 1. जेईई मेंस

एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जिसके द्वारा विभिन्न योग्य छात्रों को अनेक प्रसिद्ध इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिलता है। यह परीक्षा NTA (नैशनल टेस्टिंग एजेन्सी) द्वारा चार बार (फ़रवरी, मार्च, अप्रैल, मई) आयोजित करायी जाती है। क्वालिफ़ायइंग छात्र अनेक कॉलेजो जैसे – IIT, NIT, CFTI आदि में B.E/ B-tech/B.Arch दाख़िले प्राप्त कर सकते है

**Website: jeemain.nic.in**

## 2. जेईई एडवांस

एक प्रवेश परीक्षा है जिसके जरिए हमें हमारे देश के सबसे प्रसिद्ध इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिलता है। यह परीक्षा हमारे देश की सबसे कठिन परीक्षा में से एक है। इस परीक्षा में बैठने के लिए आपको सबसे पहले जेईई मेंस (JEE Mains) का एग्जाम क्लियर करना होता है। यह परीक्षा भी दो चरणों में होती है और दोनों चरणों में आपसे maths chemistry physics विषय से प्रश्न पूछे जाते हैं और इन दोनों चरणों के अंकों के आधार पर ही आपका रिजल्ट तैयार होता है। इस परीक्षा को आप दो बार दे सकते हैं एक बार जब आपने 12th पास किया है दूसरी बार 12th पास करने के 1 साल बाद दे सकते हैं। Jee mains के रिजल्ट आने के बाद आपको एडवांस में अप्लाई करना होता है जो विद्यार्थी जेईई मेंस की परीक्षा में सफल होते हैं और जिनका 12वीं में 75% अंक वहीं इस परीक्षा के आवेदन कर सकते हैं।

**JEE Advanced–Website: jeeadv.iitd.ac.in**

## 3. National Eligibility cum Entrance Test (NEET) एमबीबीएस और बीडीएस

कराने वाली राष्ट्रीय एजेंसी है जिसके माध्यम से भारत भर के अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्कूल में एडमिशन के लिए उम्मीदवार अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। ये एक अकेला ऐसा टेस्ट है, जिसको देकर आप AIIMS जैसी बड़ी एमबीबीएस यूनिवर्सिटी में एडमिशन पा सकते हैं। NEET की प्रवेश परीक्षा हर साल होती है और इसमें करीब 16 लाख छात्र हर साल परीक्षा देते हैं।

NEET की प्रवेश परीक्षा अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के साथ मेडिकल और **डेंटल** दोनों कोर्स के लिए होती है।

**www.nta.ac.in/ ntaneet.nic.in से जानकारी डाउनलोड कर सकते हैं।**

## पैरामेडिकल और फार्मेसी प्रवेश परीक्षा (Paramedical and Pharmacy Entrance Exam)

1. राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षण (NEET)
2. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (AIIMS)
3. जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (JIPMER)
4. क्रिस्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर (CMC-Vellore)
5. ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट / प्री-डेंटल एंट्रेंस टेस्ट (AIPMT)
6. क्रिस्चियन मेडिकल कॉलेज लुधियाना (CMC-Ludhiana)

## 4. सीयूईटी (CUET)

**सीयूईटी या कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जाने वाली एक एक प्रवेश परीक्षा है, जिसके जरिए भारत के कुल 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों, 17 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 23 स्टेट यूनिवर्सिटी तथा 58 प्राइवेट यूनिवर्सिटी में एडमिशन दी जाएगी. ये प CUET-UG परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं या समतुल्य पास होना अनिवार्य है. इसमें 12वीं के बोर्ड के अंकों की कोई बाध्यता नहीं है. हालांकि यूनिवर्सिटी न्यूनतम अंक (जैसे 50%) की बाध्यता लगा सकती है.

परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) मोड में होगा.

**आधिकारिक वेबसाइट- cuet.samarth.ac.in**

## 5. कानून प्रवेश परीक्षा (Law Entrance Exams after 12th)

12वीं के बाद निम्न कानून परीक्षाओ को पास करके छात्र लॉ में अपना बेहतर करियर बना सकते है। कानून प्रवेश परीक्षाओ की सूची इस प्रकार से है।

- कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT)
- लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट फॉर इंडिया ( LSAT India)
- आंध्र प्रदेश लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (AP LAWCET)
- सेंट्रल यूनिवर्सिटीज कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (CUCET)
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी लॉ एंट्रेंस एग्जाम (CULEE)
- आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ एंट्रेंस एग्जाम [AIL LET]
- डीयू एलएलबी (DU LLB)
- तेलंगाना स्टेट लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (TS LAWCET)
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (ULSAT)

## CLAT - Common Law Admission Test

CLAT एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जिसे प्रत्येक वर्ष कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (CNLU) द्वारा आयोजित किया जाता है. इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से आप देश के 22 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (NLU) और कई प्राइवेट लॉ स्कूल में एडमिशन ले पाएंगे.

Common Law Admission Test (CLAT) को हिंदी में 'सामान्य लॉ प्रवेश परीक्षा' कहा जाता है.

**CLAT परीक्षा दो स्तर पर होता है:**

1. CLAT UG
2. CLAT PG

- **CLAT UG** स्नातक  स्तर के कोर्स (जैसे BA LLB) में नामांकन के लिए आयोजित किया जाता है. किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास  विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते है.

- **CLAT PG** पोस्ट ग्रेजुएशन (*master*) स्तर के कोर्स (जैसे MA LLB) में नामांकन के लिए आयोजित किया जाता है. किसी भी स्ट्रीम से स्नातक (*graduation*) पास विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते है.

ऑफिशियल वेबसाइट - consortiumofnlus.ac.in

## 6. कॉमर्स एंट्रेंस एग्जाम (Commerce Entrance Exams after 12th)

वाणिज्य के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र निम्न प्रवेश परीक्षाओ के माध्यम से कॉमर्स क्षेत्र में अपना बेहतर करियर बना सकते है।

- कंप्यूटर प्रोफिसिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट (CPCT)
- सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (Symbiosis's SET Exam)
- दिल्ली यूनिवर्सिटी जॉइंट एडमिशन टेस्ट (DU JAT)
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश परीक्षा (BHU UET)
- जिंदल स्कोलास्टिक एप्टीट्यूड टेस्ट (JSAT)
- इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एप्टीटुड टेस्ट (IPMAT)
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT)
- नरसी मोंजी इंस्टिट्यूट फॉर मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS – NPAT)
- जेवियर एंट्रेंस टेस्ट (Xavier's Entrance Exam BMM/BMS Course)
- इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (IPU CET)
- राजशाही यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी (RUET)
- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी नेशनल एलिजिबिलिटी एंड स्कॉलरशिप टेस्ट (LPUNEST)
- सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (SET)

कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट (CPCT)- CPCT राज्य में सरकारी नौकरियों के उम्मीदवारों की कंप्यूटर दक्षता और टाइपिंग कौशल (Typing Skill ) का आकलन करने के लिए शुरू की गई है । कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा (Computer Based Online Exam ) बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ ) आधारित मूल्यांकन और टाइपिंग टेस्ट ( अंग्रेजी और हिंदी ) का उपयोग करके आकलन करती है ।

## सीपीसीटी में दो भाग होते हैं :

### बहुविकल्पीय प्रश्न

- इस भाग में आपको निर्दिष्ट पाठ्यक्रम से बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ Type Questions) 75 प्रश्न रहते हैं ।

### टाइपिंग स्किल असेसमेंट

- अंग्रेजी टंकण परीक्षा
- हिंदी टाइपिंग टेस्ट

### सीपीसीटी की विशेषताएं -

- 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी भारतीय और उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण सीपीसीटी (CPCT) के लिए आवेदन कर सकता है ।
- स्कोरकार्ड सात साल की अवधि के लिए वैध है ।
- इस परीक्षा को उत्तीर्ण करके आप सरकारी को आवेदन करने के लिए योग्य बन जाते हैं।

**ऑफिशियल वेबसाइट - www.cpct.mp.gov.in**

## 7. NDA

जो भी छात्र 12वीं के बाद देश की सेवा का सपना देखते है वे NDA परीक्षा के माध्यम से अपना सेना में भर्ती होने का सपना पूरा कर सकते है। **NDA (National Defence Academy)** यानी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए आयोजित की जाने वाली NDA परीक्षा को क्लियर करके आप भारत की थल, जल और नौसेना में अधिकारी बनकर देश सेवा के सपने को पूरा कर सकते है।

**UPSC** द्वारा आयोजित की जाने वाली NDA परीक्षा का आयोजन साल में दो बार किया जाता है जिसके माध्यम से छात्र डिफेन्स सर्विस में जा सकते है। 12वीं के बाद छात्रों को डिफेन्स सर्विस के अंतर्गत निम्न प्रवेश परीक्षाओ के माध्यम से भारतीय सेना में जाने का मौका मिलता है।

- नेशनल डिफेन्स अकाडेमी (एनडीए)
- नौसेना अकाडेमी परीक्षा
- भारतीय सेना टेक्निकल एंट्री स्कीम (TES)
- भारतीय नौसेना नाविकों की भर्ती
- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट

## 8. कला और मानविकी प्रवेश परीक्षा (Arts and Humanities Entrance Exams)

कला और मानविकी विषयो में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) हमेशा से ही प्राथमिक संस्थान रहा है। इसके अतिरिक्त कला और मानविकी के क्षेत्र में प्रवेश परीक्षा हेतु निम्न संस्थान अग्रणी है :-

- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश परीक्षा (BHU UET)
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (JNUEE)
- शारदा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (SUAT)
- IIT मद्रास ह्यूमानिटीज़ और सोशल साइंस एंट्रेंस एग्जामिनेशन (HSEE)
- इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैदराबाद एंट्रेंस एग्जाम
- दिल्ली यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (DUET)
- सेंट्रल यूनिवर्सिटीज कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (CUCET)
- इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (IPUCET)
- TISS बैचलर्स एडमिशन टेस्ट (TISS-BAT)

## 12वीं के बाद रिसर्च के क्षेत्र में कैसे जाएं?

12वीं के बाद रिसर्च के क्षेत्र में जाने के लिए आप इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc), IIST, IISER या IITs में से किसी एक में एडमिशन ले सकते हैं. ये सभी भारत के टॉप रिसर्च इंस्टिट्यूट हैं. अगर आप ऊपर बताया गए रिसर्च इंस्टिट्यूट में आपका एडमिशन ना हो पाए तो किसी अच्छे यूनिवर्सिटी से बीएससी, एमएससी और पीएचडी कर लें. इसके बाद आप इस देश में या विदेश में वैज्ञानिक के पोस्ट के लिए जा सकते हैं.

## कलेक्टर बनने के लिए 12वीं के बाद क्या करना चाहिए?

कलेक्टर बनने के लिए 12वीं के बाद आपको किसी भी विषय से स्नातक उत्तीर्ण (*graduate*) करना चाहिए. फिर **UPSC की परीक्षा** पास करनी होगी. यूपीएससी में टॉप रैंक आने पर आपको आईएस का पद मिलेगा. फिर कुछ प्रमोशन मिलने के बाद आपको कलेक्टर का पद मिल सकता है.

## सब इंस्पेक्टर बनने के लिए 12वीं के बाद क्या तैयारी करें?

सब इंस्पेक्टर बनने के लिए 12वीं के बाद सबसे पहले किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से स्नातक पूरा करें. फिर जब कभी भी सब इंस्पेक्टर की भर्ती निकले तो उसके लिए आवेदन करें. एग्जाम पास करने के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, फिजिकल टेस्ट और मेडिकल टेस्ट भी होगा. कुछ राज्यों में इन सब के बाद इंटरव्यू भी होता है सभी चरण को अच्छे से पास कर लेने के बाद आपका नाम मेरिट लिस्ट में आ जाएगा और आप सब इंस्पेक्टर बन जाएंगे.

# List of Scholarships in India for Class 10 Passed Students

| Scholarship Name | Eligibility Criteria | Scholarship Amount | Examination date |
|---|---|---|---|
| National Level Science Talent Search Exam (NSTSE) | Class 2 to 12 | Rs. 2,00,000 cash prize (first rank among all the classes), Laptop + a Memento + a Medal (top 3 rankers) | December |
| PM YASASVI Entrance Test (PMYET) | Class 9 to 12 | Scholarship ranging from Rs 75,000 - Rs 1, 25,000 | September |
| IOEL (International Olympiad of English Language) | Class 1 to 12 | Cash prize worth Rs. 1,00,000 | November &, December |
| INO (Indian National Olympiad) | Class 8 to 12 | National level winners are invited to participate in the International Olympiads | First week of November |
| National Science Olympiad | Class 1 to class 12 | International level toppers receive Rs. 50,000 each + gold medal | November |
| HBCSE Mathematical Olympiad | Students should be born on or after August 1, 2001 | - | August |
| Science Olympiad Foundation | Class 1 to class 12 | Rs 50,000/- Each + Gold Medal + Certificate of Outstanding Performance (12 Awards) | First week of December |
| Silverzone Olympiads | Class 1 to 12 | Cash Prize of Rs. 20,000/- along with a winner's Trophy. | November and December |

| | | | |
|---|---|---|---|
| UCO (Unified Cyber Olympiad) Exams | Class 2 to 10 | Cash prize of Rs.2,00,000 to Topper | Third week of September |
| ZIO (Zonal Informatics Olympiad) | Class 1 to 12 | National level winners are invited to participate in the International Olympiad in Informatics | In the month of November |
| UIEO (Unified International English Olympiad) | Class 2 to 10 | Laptop and a Tablet PC + Memento + Medal, each laptop and a Tablet PC + Memento + Medal, each. | Second week of October |
| GeoGenius | Class 2 to 12 | National toppers receive a laptop from the foundation | Second week of December |
| National Interactive Maths Olympiad or NIMO | Class 1 to 12 | Rs. 50000+ Gold Medal (International topper)<br>Rs 5000+ Gold Medal (National topper) | Third week of November |
| CBSE Merit-Based Scholarship for the Single Girl Child | Meritorious single girl child candidates who have passed Class 10th with minimum 60% marks. | Rs. 500 per month for a maximum of 2 years | Merit-based and can apply in the month of October |
| National Merit-cum-Means Scholarship Scheme | Studying in class 8th and must have scored a minimum score of 55% marks in 7th and belonging to deprived sections of the society | Rs. 500 monthly for a maximum period of 4 years. | Merit-based |
| National Scholarship Test (NST) | Class 5 to 12 | 3 national level scholars- Rs.75,000 each<br>State scholars- Rs.28,000 each. | Latest by May every year |

# List of Scholarships in India for Class 12 Passed Students

| Exam Name | Eligibility Criteria | Scholarship Amount | Application Dates | Scholarship type |
|---|---|---|---|---|
| Swami Vivekananda Scholarship (SVMCM) | Classes 11 and 12, graduates, post-graduates, M.Phil and Doctoral students | Scholarship ranging from Rs 1000/- - Rs 8000/- per month | In the month of August | Exam-based |
| Schindler Igniting Minds Scholarship | Class 12 in Science with a minimum of 65% marks,<br>Family income must be less than 2 lakh p.a. | Amount of around Rs. 20,000 | After the start of the academic session | Merit-based |
| Chaatravriti Scholarship Yojana | Class 12 with at least 60% marks | Girls: Rs. 3000 per month<br>Boys: Rs. 2500 pm<br>For a period of 1 to 5 years as per the duration of the course branches | In the month of August | Merit-based |
| Merit-Cum-Means Scholarship | Minimum 50% marks in 12 class and must belong to Minority, must get admission in the professional course through a Common Admission process | Monthly reward of Rs. 1,000 for 10 months, Additional reward of ₹ 20,000 to pay the tuition fee. | Mid of July | Merit-based |
| Inspire Scholarship | If among the top 1% in Class 12, Top 10,000 rank in JEE or the NEET exam | Rs. 80,000 on an annual basis to pursue Bachelors and Masters in Science. | Mid of October | Merit-based |
| Indian Oil Scholarship Scheme for Students | Pursue professional courses at the 10+2 /Graduate/Postgraduate level. | Tuition fee of course+ Rs.10,000 annually to pay for their courses | Mid July | Merit-based |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Aditya Birla Scholarship Scheme | Pursuing courses in XLRI, IIMs, IIT, BITS (Pilani), National Law School of India in Bangalore, NALSAR University of Law (Hyderabad), National Law University Jodhpur, The WB National University of Juridical Sciences - Kolkata & Gujarat National Law University. | Amount for IIT / BITS (Pilani) - Rs. 1,00,000 annually. XLRI/IIMs - Rs.1,75,000 annually LAW - Rs. 1,80,000 per annum | -- | Merit-Based |
| Post Matric Scholarships Scheme (For minority sections of society) | At least 50% in the last exam i.e. 10/11/12 | For Class 11 & 12 Students -Rs. 7,000 pa<br>For technical Courses at Higher Secondary Level - Rs.10,000 pa<br>For Graduation/PG - Rs. 3,000 pa | Mid of July | Merit-based |
| Central Sector Scholarship | Passed class 12 with 75% marks | For Graduation- Rs. 1,000 p.m. for a period of 3 years<br>For Post-Graduation- Rs. 2,000 month | Mid of July | Merit-based |
| AICTE Pragati Scholarship for Girls | Female candidates in 1st-year courses from any of the AICTE approved colleges | Tuition fee waiver, Rs. 30,000/- may be reimbursed for the purchase of books, vehicles, laptops | Till November | Merit-Based |
| Combined Counselling Board (CCB) Scholarship | Class 10 & Class 12 with a minimum aggregate of 33% to 50% | Rs.60,000 - Rs.70,000 for higher education | First week of July | Merit-Based |
| Foundation for Excellence (FEE) Scholarship | Pursuing professional degree courses such as BE./B.Tech, Integrated 5-Year Dual and must pass with a minimum 70% marks in 12 | Will fund full fee for the course | -- | Merit-Based |
| Vidyasiri Scholarship | Post-matric students from backward classes | Rs 1500/- per month | -- | Merit-based |

**महत्वपूर्ण निर्देश**

**उपयुक्त पाठ्यक्रम की जानकारी वर्तमान समय अनुसार है और आने वाले समय में इसमें बदलाव संभव है।**